

विषय.- राज्य में जन्म और मृत्यु के शत-प्रतिशत पंजीकरण के संबंध में।

संदर्भ:- निदेशालय के पत्र क्रमांक 234 दिनांक 3.9.13, 696 दिनांक 4.8.14, 600 दिनांक 3.3.16, 920 दिनांक 13.4.16, 1286 दिनांक 5.7.16, 180 दिनांक 15.2.17 एवं 498 दिनांक 7.3.2017, 687-787 दिनांक 27.3.17, 1085 दिनांक 11.7.17, 1362 दिनांक 11.12.2017, 602 दिनांक 21.3.2018, 650 दिनांक 24.4.18, 951 दिनांक 22.10.18 एवं 957 दिनांक 1.11.2018

उपरोक्त विषय एवं सन्दर्भित पत्रों के सम्बन्ध में अनुरोध है कि निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय, जयपुर ने पत्र क्रमांक: एफ.13/1/3/आरजीआई/वीएस/डीईएस/2018/328 दिनांक 22.7.2019 के साथ भारत के महारजिस्ट्रार एवं जनगणना आयुक्त का अशा0 पत्रांक: 590 दिनांक 19.6.2019 संलग्न कर लिखा है कि भारत के महारजिस्ट्रार कार्यालय ने जन्म मृत्यु पंजीयन प्रणाली को सुदृढ़ बनाने हेतु 'विजन 2020' निर्धारित किया है। जिसका उद्देश्य राष्ट्रीय स्तर पर वर्ष 2020 तक सभी संस्थागत जन्म और मृत्यु के पंजीकरण स्तर को शत-प्रतिशत करना एवं सभी पंजीकृत हुए जन्म और मृत्यु हेतु विधिक जन्म/मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करना है।

जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 के अन्तर्गत मुख्य रजिस्ट्रार (जन्म-मृत्यु) कार्यपालक प्राधिकारी है जो कि राज्य में रजिस्ट्रीकरण के कार्य में समन्वय, एकीकरण और पर्यवेक्षण के लिए उत्तरदायी है। राज्य में जन्म और मृत्यु पंजीकरण की सफलता में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका है। राज्य में संचालित सभी सरकारी चिकित्सालय/सीएचसी/पीएचसी में रजिस्ट्रार/उप रजिस्ट्रार नियुक्त किए हुए हैं जो चिकित्सा संस्थान के भीतर घटित जन्म और मृत्यु की घटना को पंजीकृत करने के लिए अधिकृत हैं।

अतः आपसे अनुरोध है कि आपके अधीन आने वाले सभी चिकित्सा संस्थान में होने वाली जन्म और मृत्यु की प्रत्येक घटना का शत प्रतिशत पंजीयन करना सुनिश्चित करने हेतु रजिस्ट्रार/उप रजिस्ट्रार को पाबन्द करें, ताकि विजन 2020 के लक्ष्य की प्राप्ति हो सके।

1-

(डॉ० रवि प्रकाश शर्मा)
अतिरिक्त निदेशक (ग्रा0स्वा0)
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें,
राजस्थान, जयपुर।

क्रमांक: वीएस/1/19/2019/223

दिनांक 02/08/18

प्रतिलिपि निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है:-

- 1- मुख्य रजिस्ट्रार (जन्म-मृत्यु) एवं निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव, निदेशालय, आर्थिक एवं सांख्यिकी, राज0, जयपुर।
- 2- समस्त प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक, आयुर्विज्ञान महाविद्यालय एवं संलग्न चिकित्सालय समूह को भेजकर अनुरोध है कि आपके अधीन आने वाले चिकित्सालयों में होने वाली जन्म एवं मृत्यु की प्रत्येक घटना का शत प्रतिशत पंजीयन करना सुनिश्चित करने हेतु रजिस्ट्रार/उप रजिस्ट्रार को पाबन्द करें ताकि विजन 2020 के लक्ष्य की प्राप्ति हो सके।

प्रभारी सर्वर रूम, मुख्यालय को विभागीय वेबसाईट पर अपलोड कराने/मेल कराने हेतु।

अतिरिक्त निदेशक (ग्रा0स्वा0)
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें,
राजस्थान, जयपुर।